>

Title : Regarding alleged irregularities and malpractices in IPL.

SHRI GURUDAS DASGUPTA (GHATAL): Madam, I hope that the entire House will kindly listen to me. It is good that the Minister has resigned and it is also good ...(*Interruptions*)

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF URBAN DEVELOPMENT (PROF. SAUGATA ROY): Why the same matter is being raised again? ...(*Interruptions*)

SHRI GURUDAS DASGUPTA : No, please listen to me. It is good that the Prime Minister has advised him to resign, but that is not the issue. The Minister's resignation is not the issue. The Indian Premier League (IPL) is the issue.

Madam, we have been discussing this matter, but we have not gone into the root of the issue. The root of the issue is laundering of black money; the issue is white washing the black money; and the issue is aberration happening under the nose of the Ministry of Finance and the Government of India. If you speak of sports, then it is a caricature of Cricket. We have seen the greatest Cricketers of our country in five-day test matches and afterwards in one-day matches. It is all there. No player can come to form in the 20-20 over format, which is such a shorter version. The leading Cricketers of the country have given their opinion like this only.

Madam, the point is that Cricket is being maligned in the country; Cricket is being diluted in the country; and a wrong message is being given to the budding Cricketers that they can go to 20-20 and earn crores of rupees. The main issue is earning money. Players are being bought just like vegetables, and people with money are entering into a franchise and they are setting up a team and competing with each other and betting is going on openly. Therefore, it is neither Cricket; it is neither a game; but it is only a game of organized gamble in the country. ...(*Interruptions*)

I have information that a large part of the money is coming through Mauritius and from dubious sources from Dubai. â€¦ (*Interruptions*) You are not associated and you do not know and I do not know about it, but there are reports that Swiss bank money is being laundered and the main intention is to whitewash the money. It is unfortunate that politicians find time to play Cricket even in their bedroom; it is unfortunate that Corporates are playing their Cricket in the board room; and openly the passion for Cricket is being exploited to make money.

I hope that I have the support from all sections to demand that IPL may be banned in this country immediately. Madam, I appeal to the Board of Control for Cricket in India (BCCI) of which the President is a Minister of the Cabinet to discontinue ...(*Interruptions*) I appeal that the BCCI disqualify 20-20 matches in India.

Thirdly, I demand a thorough probe into the source of fund. I want a thorough, high-level probe. I want a Joint Parliamentary Committee on this. ...(*Interruptions*) आप मुझे बोलने दीजिए। ...(व्यवधान)

SHRI P.T. THOMAS (IDUKKI): He is not part of that. He is not BCCI President.

श्री गुरुदास दासगुप्त : आप मेरी बात सुनिए, नहीं है तो नहीं है। ...(व्यवधान) I want a Joint Parliamentary Committee to probe the source of the fund. Where from the money is coming? Who is financing? Fifty per cent of the population is living below the poverty line. The Government says that it has no money to extend the universal rationing system in the country. A country so poor, a country so deficient in resources, a country so unemployed, a country so jobless, how can we allow such a mysterious game under the nose of the Government to the detriment of the common people? There must be a thorough probe. IPL must be banned. People involved must be sent to jail, and also the source of fund should be investigated immediately. I wish the entire House supports me.

DR. RAM CHANDRA DOME (BOLPUR): We also associate with this issue. The Government should come out with a statement. The Government should respond to this.

MADAM SPEAKER:

Dr. Tarun Mondal,

Sk. Saidul Haque,

Shri M.B. Rajesh and

Shri P.K. Biju also associate themselves with this issue.

...(*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदया : आप बोलेंगे या अपने को एसोशिएट कर लीजिए।

â€¦(व्यवधान)

श्री लालू प्रसाद : मैडम, आप एक मिनट मेरी बात सुन लीजिए।

अध्यक्ष महोदया : आप बहुत लंबा मत बोलिए, जल्दी से अपनी बात समाप्त करिए। बहुत से सदस्यों को मौका देना है।

â€¦(व्यवधान)

MADAM SPEAKER: Please just associate yourself.

श्री शरद यादव : मैडम, आपकी निगाह हमारी तरफ भी होनी चाहिए। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप देखिए, इस तरह से लोगों की भावना हो जाती है कि उनका मौका नहीं आ रहा है। यह भावना उनके मन में आ जाती है। यह भी ठीक नहीं है कि बाकी लोग नहीं बोल पा रहे हैं।

â€¦(व्यवधान)

श्री लालू प्रसाद : बाकी लोग भी बोलेंगे।

अध्यक्ष महोदया : आप जल्दी करिए। आप इनके साथ एसोशिएट करिए।

â€¦(व्यवधान)

श्री लालू प्रसाद : एसोशिएट नहीं करूंगा, क्योंकि उनकी सब बात हम एप्रूव नहीं करते हैं। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : मुलायम सिंह जी, आप क्यों खड़े हैं?

â€¦(व्यवधान)

श्री मुलायम सिंह यादव : आपने कहा था कि हमारी बात सुनेंगे। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप बैठ जाइए। हमने आपको खड़े होने के लिए नहीं कहा है, आपको भी नहीं कहा है।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

श्री लालू प्रसाद : मैडम, आपको हम धन्यवाद देते हैं कि आपने आईपीएल के मामले में और जो बेटिंग, सट्टेबाजी हो रही है, उस पर बोलने का दो मिनट का मौका दिया है।

अध्यक्ष महोदया : एक मिनट।

â€¦(व्यवधान)

श्री लालू प्रसाद : मैडम, एक मिनट आप अपनी तरफ से दे दीजिए। यह बिल्कुल सट्टेबाजी है, अय्याशी का घर है। स्विस बैंक का पैसा निकालकर और सारी जगह से पैसा लाकर यहां व्हाइट मनी कर रहे हैं। आई.टी. ने भी प्रारंभिक जांच में पाया है कि इसमें घालमेल हुआ है। थरूर तो एक बहाना थे, ...(व्यवधान) â€¦* जो इसके कमिश्नर हैं, ...(व्यवधान) आप रोकिए नहीं, बात कहने दीजिए। ...(व्यवधान) â€¦* विदेश में ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप जानते हैं संसदीय परंपरा को, आप नाम नहीं लीजिए। No name will go on record.

श्री लालू प्रसाद : ठीक है, आप नाम को हटा दीजिए। उसके एक बड़े पदाधिकारी ने जेट प्लेन खरीदा है। मैं भी बीसीसीआई, बिहार का प्रेसीडेंट हूं। हम तो विक्टिम हैं। ...(व्यवधान) इससे देश में बिल्कुल जुंबाजी हो रही है। मैं प्रधानमंत्री जी को धन्यवाद देता हूं कि थरूर का इस्तीफा इन्होंने ले लिया और एक अच्छा काम किया। लेकिन इसमें आपको प्रोब कराना है। खेल को नेशनलाइज कराइए, क्रिकेट के खिलाफ हम नहीं है। यह होना चाहिए। भारत सरकार का जो स्पोर्ट्स डिपार्टमेंट है, वह इसको टेक-ओवर करे और पूरे मामले को ....

अध्यक्ष महोदया : ठीक है, अब आप समाप्त करिए।

â€¦(व्यवधान)

श्री लालू प्रसाद : मैडम, हमारी बात सुन लीजिए। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : और सदस्य भी बोलने वाले हैं।

â€¦(व्यवधान)

श्री लालू प्रसाद : मैडम, मेरा भी बेटा, बिहार का गांव-गंवई का बेटा आईपीएल में जूनियर में रखा गया, ...(व्यवधान) आप मेरी बात सुन लीजिए। मुझे लगा कि मेरा बेटा खेलेगा, उसने ड्रेस पहन लिया। ...(व्यवधान) वह खेलता है, कलकत्ता को हराया है। हमने देखा कि नए बच्चे, हमारे बेटे के अलावा भी उदयमान बच्चे जो भी हैं, जब ओवर समाप्त होता है।

मेरा बेटा तौलिया लेकर, पानी लेकर फील्ड में इनके पसीने पोंछने के लिए दौड़ा जा रहा है। हमको काफी धक्का लगा कि यादव का बेटा, हमारी हैसियत यह हो गई है। खेल रहे या नहीं, हर घर के यंग लड़के दो सालों से तौलिए से इनके मुंह पोंछने जाते हैं। यह बिल्कुल सट्टेबाजी है। इसे बंद करवाइए, इस पर प्रोब करवाइए और ज्वाइंट पार्लियामेंट्री कमेटी कौन्सटीट्यूट कीजिए। इसे नेशनलाइज़ कीजिए। नेशनल गेम्स के रूप में भारत सरकार का स्पोर्ट्स डिपार्टमैंट है। आप उसे टेक-ओवर कीजिए। इस संबंध में जो लोग कसूरवार हैं, उसे जेल में भेजिए। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : रिकार्ड में कुछ नहीं जाएगा।

...(व्यवधान)*

अध्यक्ष महोदया : लालू जी, आपकी बात हो गई है।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : शरद जी, आप अपने को इनके साथ एसोसिएट कर लीजिए। मुलायम सिंह जी, आप भी अपने को एसोसिएट कर लीजिए। उन्होंने बहुत विस्तार में सभी बिन्दु रख दिए हैं। मुझे और लोगों को भी बुलाना है। उनकी भी भावनाएं हैं, वे आहत हो जाती हैं। आप कई बिन्दुओं पर बोल चुके हैं। मुझे और लोगों को बोलने का मौका देने दीजिए, हाउस को रन करने दीजिए।

â€¦(व्यवधान)

श्री मुलायम सिंह यादव : अध्यक्ष महोदया, मुझे दो मिनट बोलने का समय दे दीजिए।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आपको इससे एसोसिएट करना है। दो मिनट नहीं होता, आप कई मिनट तक बोलते रहते हैं।

श्री मुलायम सिंह यादव : ठीक है, एक मिनट बोलने दीजिए।

अध्यक्ष महोदया : बोलिए।

श्री मुलायम सिंह यादव : मेरी एक ही राय है कि यह विदेशी खेल है। मैंने पिछले साल भी कहा था कि इसे बंद करवाइए। इसने हमारे राष्ट्रीय खेलों को चौपट कर दिया है। अगर हमारे राष्ट्रीय खेलों को महत्व दिया जाता तो आज हिन्दुस्तान दुनिया में खेलों में सबसे आगे होता। यह विदेशी खेल है, सब कुछ चौपट कर रहा है, पैसा खर्च हो रहा है, सट्टेबाजी वगैरह हो रही है। मेरी एक ही प्रार्थना है कि मैंने पिछले साल के सत्र में भी कहा था इस खेल को बंद करवाइए और राष्ट्रीय खेलों को महत्व दीजिए। इससे सारा समय बर्बाद होता है। सब लोग टीवी खोल लेते हैं। रिकार्डिंग होती है, सारी जनता देखती है और खेल विदेशी है। विदेशी खेलों पर इतना पैसा खर्च किया जाता है। हिन्दुस्तान के राष्ट्रीय खेलों को महत्व दीजिए।...(व्यवधान)

श्री शरद यादव : मैं अफसोस के साथ कहना चाहता हूं कि हमने आईपीएल का सवाल उठाया था और आईपीएल एक वलगर डिस्प्ले है। असली सवाल सट्टेबाजी का था और तमाम लोगों ने जो कहा, वह सच बात है। जो खेल मंत्री हैं, मैं इन्हें अच्छा आदमी मानता था, लेकिन यह दिनभर रोते रहते हैं। बात बोलते हैं कि यह देश के सारे खेलों को खराब कर रहा है। जैसे मुलायम सिंह जी ने कहा कि सारे देश के बाकी खेल तबाह, बर्बाद और सब तरह से पीछे कर दिए गए। यह नाटक है, बाजार का हथियार है, लोगों के सामान बेचने का हथियार है। मैडम, मैं विरोधी दल के नेता को धन्यवाद देता हूं कि उन्होंने इस बारे में पूरी तरह से जांच कराने का कदम उठाया है। मगर वह कदम पीछे नहीं हटना चाहिए, आगे जाना चाहिए। हमने पार्लियामैंट में मंत्री से इस्तीफा ले लिया, लेकिन अकेले मंत्री जी की बात नहीं थी। जो कमिश्नर हैं, आईपीएल के जो लोग हैं, जो आईपीएल के पीछे हैं, उन सब लोगों को पूरी तरह से घेरकर, यह अय्याशी का अड्डा है, जुए का अड्डा है, लूट का अड्डा है, काले धन का अड्डा है। इस अड्डे को खत्म करना पड़ेगा, नहीं तो यह सवाल सदन में रुकने वाला नहीं है, यह चलेगा, इसे रोकना नहीं है। आपने यहां मंत्री जी को हटा दिया, लेकिन बेइमानों को अभी आपने बहस करने से अलग कर दिया।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : अब आप बैठ जाइये।

â€¦(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Only what Shri Bishnu Pada Ray says will go on record.

*(Interruptions) â€¦**

अध्यक्ष महोदया : दारा सिंह जी, आप बैठ जाइये।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप बैठ जाइये। सिर्फ विष्णु पद राय जी की ही बात रिकार्ड में जाएगी ।

...(व्यवधान) *

अध्यक्ष महोदया : विष्णु पद राय जी, आप बोलिये।

â€¦(व्यवधान)

श्री विष्णु पद राय (अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह): अध्यक्ष महोदया, मैं इस तरह कैसे बोल सकता हूं? ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप बोलिये।

â€¦(व्यवधान)

MADAM SPEAKER: Nothing will go on record.

*(Interruptions) â€¦**

अध्यक्ष महोदया : आप बैठ जाइये। विष्णु पद राय जी, आप बोलिये।

â€¦(व्यवधान)

श्री विष्णु पद राय : अध्यक्ष महोदया, मैं कैसे बोलू? ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप बैठ जाइये।

â€¦(व्यवधान)

MADAM SPEAKER: Shri Ray, please speak. What you say would be going on record.

श्री विष्णु पद राय : अध्यक्ष महोदया, मैं चुप रहा, शांत रहा। ...(व्यवधान) आप कृपया करके पहले इन लोगों को बैठाइये। ...(व्यवधान)

MADAM SPEAKER: Please sit down.

...(*Interruptions*)

श्री विष्णु पद राय : क्या ये लोग बोलते रहेंगे? ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप सब बैठ जाइये।

â€¦(व्यवधान)

श्री विष्णु पद राय : अध्यक्ष महोदया, आप पहले इन लोगों को बैठाइये। ...(व्यवधान) मैडम, मैं इनके बैठने के बाद बोलूंगा। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप बैठ जाइये।

â€¦(व्यवधान)

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PLANNING AND MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI V. NARAYANASAMY): Madam, the Government cannot respond on every issue. The hon. Members have raised a issue here. ...(*Interruptions*) We have taken note of the issue raised by the hon. Members.

MADAM SPEAKER: They have taken note.

...(*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदया : डॉ. डोम, आप बैठ जाइये।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप बैठ जाइये। लालू प्रसाद जी, आप बैठ जाइये।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप दूसरे लोगों को भी बोलने दीजिए।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप बैठ जाइये। हमें दूसरे लोगों को भी बुलवाना है। इस समय शून्य प्रहर चल रहा है और विष्णु पद राय जी बोल रहे हैं। उनको आप लोगों ने बीच में ही रुकवा दिया।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : अभी विष्णु पद राय जी बोल रहे हैं।

â€¦(व्यवधान)

श्री विष्णु पद राय : आप पहले मुंडे जी को बोलने दीजिए। उसके बाद मैं बोलूंगा। ...(व्यवधान)

श्री दारा सिंह चौहान (घोसी): अध्यक्ष महोदया, इस देश को आईपीएल की जगह बीपीएल चाहिए। ...(व्यवधान) आईपीएल को खत्म करना चाहिए। ...(व्यवधान) आईपीएल जुआघर है और यह बंद होना चाहिए। ...(व्यवधान) हमें बीपीएल पर ध्यान देना चाहिए। ...(व्यवधान)

श्री गोपीनाथ मुंडे (बीड): अध्यक्ष महोदया, आईपीएल क्रिकेट को बढ़ावा देने के लिए नहीं है। ...(व्यवधान)

श्री राजा राम पाल (अकबरपुर): अध्यक्ष महोदया, जिन्होंने जीरो ऑवर का नोटिस दिया है, उनको न बुलाकर दूसरे लोगों को बोलने का मौका दिया जा रहा है। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : यह बात ठीक है।

â€¦(व्यवधान)

श्री गोपीनाथ मुंडे : अध्यक्ष महोदया, इसमें कालाधन है। ...(व्यवधान) स्विस बैंक से भी पैसा आ रहा है। ...(व्यवधान) जिन टीमों का 1500 करोड़ रुपया, 1600 करोड़ रुपया आदि पैसा लगा हुआ है। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : शरद जी, आप बैठ जाइये।

â€¦(व्यवधान)

श्री गोपीनाथ मुंडे : यह फैसला बीसीसीआई ने क्यों किया? ...(व्यवधान) आईपीएल में काला धन है। ...(व्यवधान)

MADAM SPEAKER: I just want to make an observation. Please take your seats.

I want to make this observation, and I am very worried about it, that those who have given notice are not getting time to speak and all those who have not given notices have already spoken many times. Please do not do this. It is not fair to all those Members who are discipline enough to give the notice and are waiting patiently. Please allow them.

...(*Interruptions*)

श्री मुलायम सिंह यादव : अध्यक्ष महोदया, आपकी परमीशन से ही बोला है। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप बैठ जाइये।

â€¦(व्यवधान)

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह (वैशाली): अध्यक्ष महोदया, आपकी इजाजत से ही बोले हैं। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप बैठ जाइये।

â€¦(व्यवधान)

श्री लालू प्रसाद : अध्यक्ष महोदया, आपने इजाजत दी है। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : यह ठीक है कि मैंने इजाजत दी है। मगर मैं बार-बार कह रही हूं कि उनकी भावनाओं का ख्याल हमें रखना है। जिन्होंने नोटिसेज दिये हैं, उनका ख्याल आपको भी रखना है और मुझे भी रखना है।

â€¦(व्यवधान)

श्री मुलायम सिंह यादव : अध्यक्ष महोदया, इसमें लड़ाई की कोई बात नहीं है। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : लड़ाई की बात नहीं है। आपको यह बात कहनी जरूरी हो गयी, इसलिए मैंने कही।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप बैठ जाइये।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : मैं भविष्य के लिए भी यह बात कहना चाहती हूं कि जो सदस्य नोटिस देंगे, उनको मैं बुलवाना चाहूंगी।

â€¦(व्यवधान)

श्री गोपीनाथ मुंडे : अध्यक्ष महोदया, आईपीएल पूरी तरह से काले धन का घोटाला है। इसमें भारतीय संस्कृति के खिलाफ चीयर गर्ल्स को नचाया जा रहा है, यह कौन सा खेल है? बार गर्ल्स पर महाराष्ट्र में पाबंदी है और चीयर गर्ल्स को एलाउड किया गया है, यह क्या है?...(व्यवधान) हमने मांग की थी कि स्विस बैंक से जो काला धन आया है, जांच हो। प्रधानमंत्री जी ने आश्वासन दिया था कि उस काले धन की हम 100 दिनों में जांच करेंगे। वह काला धन आने का रूट है आईपीएल। इसकी पूरी जांच होनी चाहिए। ...(व्यवधान) लोगों के पास खाने के लिए नहीं है। आप बीपीएल पर ध्यान नहीं दे रहे हैं, आप भी आईपीएल पर ध्यान दे रहे हैं।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप लोग बैठ जाइए।

श्री गोपीनाथ मुंडे : अध्यक्ष महोदया, महाराष्ट्र सरकार ने आईपीएल के लिए टैक्स माफ किया। महाराष्ट्र सरकार का बजट डेफिसिट बजट है, फिर भी आईपीएल का टैक्स माफ क्यों किया गया? सरकार पर सारे देश की नजर है, सरकार को इस काले धन का पता लगाना चाहिए।...(व्यवधान) आईपीएल और आईपीएल चलाने वालों की पूरी जांच होनी चाहिए।

श्री शरद यादव : उपाध्यक्ष जी, नेता सदन तब नहीं थे। यह आईपीएल का जो ...(व्यवधान)

अब सदन के नेता आ गये हैं।

उपाध्यक्ष महोदय : कृपया बैठ जाइये। वह कुछ बोलना चाहते हैं, जब आप बैठेंगे, तब वह बोलेंगे।

...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : आप उन्हें बोलने दीजिए।

THE MINISTER OF FINANCE (SHRI PRANAB MUKHERJEE): Mr. Deputy-Speaker Sir, in the morning, some hon. Members raised the issue of IPL and wanted to have a thorough probe into all its aspects. In fact, the concerned Department has already started the investigation process. I can assure the hon. Members that all aspects of IPL including its source of funding, from where the funds were routed, how they have been invested, etc., are being looked into and the appropriate action as per law will be taken. No guilty or wrong doers will be spared.

उपाध्यक्ष महोदय : कृपया बैठ जाइये।

â€¦(व्यवधान)

श्री शरद यादव : एक मिनट आप हमारी बात सुन लीजिए। ...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : आपने जो बोला, वह उन्होंने बता दिया।

श्री शरद यादव : अभी नहीं, लेकिन इस पर कभी समय निकालकर थोड़ी देर के लिए डिबेट हो जाए। उसमें कई खबरें हमारे पास भी हैं...(व्यवधान)

श्री लालू प्रसाद : हम इसके लिए सरकार को धन्यवाद देते हैं। लेकिन हमारा कहना है कि इसे भारत सरकार का स्पोर्ट्स डिपार्टमैन्ट टेक ओवर कर ले।...(व्यवधान)

SHRI PRANAB MUKHERJEE: We will look into all aspects and I have noted down your suggestions. ...(*Interruptions*)